>

Title: Discussion on Demands for Grants No. 1 to 16 in respect of the Budget (Railways) for 2008-2009 (Discussion not concluded).

MR. SPEAKER: Now, the House will take up Item No. 28 -discussion and voting on the Demands for Grants in respect of the Budget (Railways) for the year 2008-09.

Hon. Members present in the House whose cut motions to the Demands for Grants in respect of the Budget (Railways) for the year 2008-09 have been circulated may, if they desire to move their cut motions, send slips to the Table within 15 minutes indicating the serial numbers of the cut motions they would like to move. Those cut motions only will be treated as moved.

A list showing the serial numbers of cut motions treated as moved will be put up on the Notice Board shortly thereafter. In case any Member finds any discrepancy in the list, he may kindly bring it to the notice of the Officer at the Table immediately.

Thank you very much for your cooperation.

Motion Moved:

> "That the respective sums not exceeding the amounts shown in the fourth column of the Order Paper be granted to the President of India out of the Consolidated Fund of India, to complete the sums necessary to defray the charges that will come in course of payment during the year ending the 31st day of March 2009, in respect of the heads of Demands entered in the second column thereof against Demand Nos. 1 to 16."

MR. SPEAKER : Now Shri Ratilal Kalidas Verma to speak. The time allowed is six hours. You can go on as late as you like.

19.24 hrs. (Shri Devendra Prasad Yadav *in the Chair*)

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा (धन्धुका) : महोदय, रेलवे बजट के बारे में मैं अपने कुछ विचार सभापटल पर रखना चाहता हूं। रेलवे बजट के बारे में चर्चा हुई थी। माननीय रेल मंत्री जी ने अपने जवाब में बहुत सारे प्रश्नों का उत्तर दिया था। मैं कहना चाहता हूं कि जब रेल बजट पेश हुआ...(व्यवधान) कुछ बातें रिपीट भी होती हैं और कुछ नई बातें भी सामने आती हैं। रेल बजट की जो प्रशंसा हुई, तो उसकी चर्चा में धीरे-धीरे वास्तविकता सामने आई। तब आम जनता में निराशा पैदा हुई।[R82] उस समय आप लोगों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की थी। एक के बाद एक छुपी बातें सामने आने लगी कि किस तरह आम जनता के माध्यम से रेल मंत्रालय ने पैसा निकाला है। ये बातें जब सामने आई तो आम जनता में घोर निराशा छा गई। नई ट्रेन्स चलाने की घोषणा केवल मुनाफा वाली जगहों के लिए की गई है। मुनाफा हो रहा है, अच्छी बात है लेकिन आम जनता के लिए ये सेवाएं हैं। केवल मुनाफे को ध्यान न रख कर सभी को हर तरह की सुविधाएं देनी चाहिए। आप गांव वाले हैं। गांव से जो लोग शहर आते हैं चाहे वे विद्यार्थी हों, किसान हों या व्यापारी हों या अप-डाउन करने वाले लोग हों, आपने उनके लिए किसी नई गाड़ी की शुरुआत नहीं की है। गांवों से शहरों में आने वाले लोगों के लिए नई गाड़ी चलाने की आवश्यकता है। गुजरात को तीन या चार गाड़ियां छोड़ कर कोई विशेष गाड़ी नहीं दी गई है। आज वहां जो मीटरगेज में गाड़ियां चल रही हैं, उनमें पांच या छः डिब्बे हैं। उनमें डिब्बे बढ़ाने के लिए मैंने आपसे बार-बार रिकवैस्ट की और लिखित में भी दिया लेकिन एक ही जवाब आता है कि मीटरगेज के लिए अभी डिब्बे नहीं हैं। आप धीरे-धीरे मीटरगेज लाइनें बंद कर रहे हैं लेकिन जो चल रही हैं, जहां आम जनता को परेशानियां झेलनी पड़ती हैं, उन्हें दूर करने के लिए डिब्बे देने चाहिए। अहमदाबाद से बूटाक के लिए लोकल ट्रेन चलती है। वह मेरे क्षेत्र की है। मैं कहता हूं कि उसके डिब्बे बढ़ाइए लेकिन आपकी तरफ से कोई जवाब नहीं मिलता है। देश में जहां भी मीटरगेज लाइन्स हैं, उनके लिए डिब्बे देने चाहिए। श्री नानाभाई राठवा जो हमारे राज्य के सिंचाई मंत्री थे, उन्होंने भी आपके सामने बात रखी थी। आप जानते हैं कि स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे, सब्जी बेचने वाले किसान और अप-डाउन करने वाले कर्मचारियों की कितनी दयनीय स्थिति है। आप स्टेशन पर जाकर देखेंगे तब मालूम पड़ेगा। आपको उसका जायजा भी लेना चाहिए। कोई अधिकारी उसका जायजा नहीं लेता है। जवाब मिलता है कि मीटरगेज के लिए डिब्बे नहीं हैं। हमारी रेल सेवा केवल मुनाफे के लिए नहीं है बल्कि यह आम जनता की सेवा के लिए है। अगर मुनाफा करना है तो कुछ काम करना होगा। मल्टीनेशनल कम्पनियां केवल मुनाफे की बात करती हैं।

आपने अहमदाबाद से मुम्बई के लिए जो ए.सी. ट्रेन दी है और वह धनी लोगों के लिए दी है। यह भरी हुई जाएगी और इसकी और डिमांड बढ़ेगी। आम जनता जो छोटे-छोटे स्टेशनों पर उतरती है, उनके लिए नई ट्रेन अहमदाबाद से मुम्बई शुरू करना अति आवश्यक है। आप जानते हैं कि वे रेल और स्टेट परिवहन द्वारा ही यात्रा करते हैं। धनी लोग गाड़ी लेकर अहमदाबाद से मुम्बई जाते हैं। दिल्ली से हरिद्वार या जयपुर जाना हो तो धनी लोग प्राइवेट कार लेकर जाते हैं। गर्मी के दिनों में भीड-भाड़ रहती हैं। लोगों को पीने के पानी नहीं मिलता है चाहे बस अड्डा जाइए या रेलवे स्टेशन जाइए। उनकी हालत बहुत खराब रहती है और आप इस बात को अच्छी तरह जानते हैं। एक ओर गरीब लोग पीस रहे हैं और दूसरी तरफ उनके पसीने से आपको मुनाफा मिल रहा है। आप इन गरीबों के पसीने को ध्यान में रखते हुए काम करें। माननीय मंत्री जी हर बार गरीबों की बात करते हैं और वह गरीबों के साथ तथा जमीन से जुड़े हैं। मुझे ऐसा लगता है कि आपने गरीबों की अनदेखी की है। आप गांवों की बात करते हैं। गांवों में सुविधा बढ़ाने के लिए,

गांवों की तरफ जाने वाली ट्रेन्स की फ्रिक्वेंसी बढ़ाना बहुत जरूरी है। आपने 2005-06 में 14 हजार करोड़ रुपए और 25 हजार करोड़ रुपए का मुनाफा बताया है। रेल मंत्रालय कोई मल्टी नेशनल कम्पनी नहीं है कि शेयर होल्डरों को ज्यादा शेयर दें। अगर कम मुनाफा होगा तो भी चलेगा। सुविधाएं बढ़ाने की अत्यधिक आवश्यकता है। आप मल्टी नेशनल कम्पनियों की तरह काम न करें।

जो घाटे में चलने वाली गाडियां हैं, उनमें से बहुत सारी गाड़ियां आपने बंद कर दीं हैं। यदि घाटे में चलने वाली गाड़ियों को केवल मुनाफे के कारण चालू रखेंगे तो फिर आम जनता और राष्ट्र की सेवा कैसे होगी। इसलिए जो भी गाड़ियां घाटे में चलती हैं, उन्हें बंद न किया जाए, उन्हें चालू रखा जाए। इसके अलावा आपको मीटर गेज की गाड़ियों में सुविधा बढ़ानी है और उनमें डिब्बे भी बढ़ाने हैं। हर बजट में आपने बड़ी-बड़ी घोषणाएं की हैं। लेकिन जो घोषणाएं की गई हैं, क्या उनका क्रियान्वयन किया गया है। पिछले बजट में भी आपके द्वारा की गई घोषणाएं वहीं की वहीं रह गई और इस बार जो घोषणाएं की गई हैं, उन घोषणाओं को आप जल्दी से पूरा कीजिए, यही मेरा कहना है। घोषणा के मुताबिक गेज परिवर्तन हो जाए, घोषणा के मुताबिक गाड़ियां चल रही हैं, घोषणा के मुताबिक सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं और जो नई गाड़ियां हैं, क्या आप उन्हें ठीक तरह से चला रहे हैं। आज जो मीटर गेट गाड़ियां चल रही हैं, उनमें पांच या छः डिब्बे लगे होते हैं। हमारी मांग है कि उनमें डिब्बे बढ़ाये जाएं। इसके साथ हमें जो जवाब मिलते हैं, उन पर भी अमल नहीं होता है।

माननीय मंत्री जी ने गरीब लोगों की बात की थी और खादी की बात भी की थी। गरीब बुनकर लोग खादी बुनते हैं। लेकिन क्या इस पर अमल हुआ। आज भी उस पर अमल देखने को नहीं मिलता है। कांग्रेस के एक सम्माननीय नेता ने कहा कि खादी पहनना कोई कम्पलसरी नहीं है, कोई जरूरी नहीं है। इससे क्या मैसेज जाता है। एक तरफ आप एक बात कहते हैं और दूसरी तरफ अलग बात कहते हैं। क्या यूपीए गवर्नमैन्ट में मुंडे-मुंडे मत भिन्ना: है। हर एक की अपनी अलग राय चल रही है। इस तरह से कैसे बात बनने वाली है। आपने कुली भाइयों के लिए जो किया, उसकी हम भी सराहना करते हैं, लेकिन मैं उम्मीद करता हूं कि जल्द से जल्द इन लोगों को नियुक्ति दी जाए और मेरे क्षेत्र में बहुत सारे अनमैन्ड फाटक हैं, वहां भी जल्दी से नियुक्ति दी जाए। वहां कई फाटकों में ताले लगे हुए हैं, जिसके कारण किसानों को दो-दो किलोमीटर चलकर वापस आना पड़ता है। तीन-तीन किलोमीटर तक स्टेशन पर चाभी लेने के लिए जाना पड़ता है। मैं समझता हूं कि इन मुसीबतों को आप जल्दी ही दूर करेंगे। आपके पिछले दो सालों के बजट में खुशी दिखाई देती है, लेकिन आम आदमी रोता हुआ दिखाई दे रहा है। आम आदमी को खुश करने के लिए गरीब रथ की आपने घोषणा की, लेकिन गरीब रथ में क्या हुआ। आपने सीटें बढ़ाई और पैसेंजर्स को जो सुविधा मिलती थी, वह सुविधा आपने खत्म कर दी है। गरीब रथ का नाम तो जरूर है, लेकिन आम आदमी परेशान है। मैं कहूंगा कि गरीब रथ में आम जनता को पीसा जा रहा है। क्योंकि जहां 72 बर्थ्स थीं, वहां 82 बर्थ्स कर दी हैं। यानी आपने बर्थों की संख्या बढ़ा दी है। जिसके कारण जो सुविधा यात्रियों को मिलती थी, वह भी खत्म हो गई है।

माननीय मंत्री जी आपने सभी एक्सप्रैस और मेल ट्रेनों को सुपरफास्ट ट्रेनों में बदल दिया है, लेकिन इसमें बोर्ड बदलने के अलावा और कोई विशेषता हमें दिखाई नहीं देती है। इन ट्रेनों को सुपरफास्ट कैसे कहेंगे। आप जरा रेलवे स्टेशन पर जाइये और आधा घंटा खड़े रहिये, आपको अनाउंसमैन्ट सुनाई देगा, रेल यात्रियों के लिए जरूरी सूचना - हमें खेद है कि आज चल रही सभी गाड़ियां अपने निर्धारित समय से तीन घंटा देरी से चल रही हैं।

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : कहां पर सुन लिया?

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा : दिल्ली जैसे स्टेशन पर सुना है, अहमदाबाद स्टेशन पर सुना है। गाड़ियां दो-दो, तीन-तीन घंटे लेट चल रही हैं और सुपरफास्ट का किराया आपने ले लिया और इस तरह से अगर चलता रहेगा तो यह किराया ही आपके लिए बहुत बड़ा मुनाफा होगा। ...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : आप स्टेशन पर कभी-कभी जाते होंगे।

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा : हम हर फ्राइडे के दिन ट्रेन के द्वारा अहमदाबाद जाते हैं और ट्रेन से ही आते हैं। आज ही यह बुकिंग की है, आप यह टिकट देखें, यह मेरे जाने की टिकट है। ...(व्यवधान) मैं हर सप्ताह बाई ट्रेन जाता हूं। मैं कहना चाहता हूं कि ए.सी. में आपने 300 से 350 रुपया ले लिया है। अब यात्री का जो होना है वह हो, अपना तो मुनाफा हो गया। आपने खूब वाहवाही लूटी और खूब ढोल पीटा। दो से तीन प्रतिशत किराया कम किया और दूसरी तरफ वसूलने का रास्ता निकाल दिया।

मैं आपको तत्काल स्कीम के बारे में बताना चाहता हूं। मैं गंगास्नान करने गया था और स्टेशन पर बैठा था। देहरादून से आने वाली गाड़ी में एक परिवार ने तत्काल स्कीम में टिकट लिया[b83]। जिसमें उसका नाम नहीं आया। वह परिवार गाड़ी में नहीं बैठा। फिर वह परिवार स्टेशन मास्टर के पास आया और बताया कि चार्ट में हमारा नाम नहीं है और हम नहीं बैठे तो हमारे पैसे वापस दो। स्टेशन मास्टर ने कहा कि तत्काल में तो पैसे वापस नहीं मिलते।...(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : लिखकर दे दो।

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा : सर, मैं नाम दे सकता हूं। वह तारीख भी बता सकता हूं। अगर लिस्ट में नाम नहीं आया फिर परिवार गाड़ी में बैठेगा कैसे और बैठेंगे तो अंदर बैठने वाला टी.टी परेशान करेगा। इसलिए तत्काल स्कीम के अंदर परिवर्तन लाकर यात्रियों की आपने परेशानियां बढ़ा दी हैं। 5 दिन पहले की बुकिंग की बात तत्काल में कैसे हो सकती है? यह बात समझ में नहीं आती है। एमर्जेंसी तो एमर्जेंसी है। आज मुझे समाचार मिल गया है कि अहमदाबाद में कुछ हो गया है, कोई घटना घटित हो गयी है, बच्चे डूब गये हैं तो तुंत भागना पड़ता है। इसलिए तत्काल का मतलब तुंत होता है। 5 दिन पहले तो बहुत सारा काम हो सकता है। यह तो मैंने एक ही स्टेशन की बात कही है। आज हजारों स्टेशंस हैं और हजारों स्टेशंस पर हजारों लोग तत्काल बुकिंग लेते हैं। इसलिए उनके बारे में आपको कुछ सोचना चाहिए।...(व्यवधान) गुजरात के अंदर जो पश्चिम जोन है, सबसे ज्यादा आमदनी पश्चिम ज़ोन की है, फिर भी गुजरात के साथ अन्याय किया जाता है, वह आप सब जानते हैं। हमने रेल बजट पर भी वॉक-आउट किया था।...(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपको 15 मिनट हो गये हैं और आपकी पार्टी के और भी मैम्बर्स अभी बोलने वाले हैं।

श्री रतिलाल कालीदास वर्मा : सभापति महोदय, मैं कहना चाहता हूं कि अहमदाबाद से इलाहाबाद ट्रेन दी जाए, अहमदाबाद-कन्याकुमारी ट्रेन दी जाए, अहमदाबाद-रामेश्वरम ट्रेन दी जाए, अहमदाबाद और गांधीनगर को विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन बनाया जाए। अहमदाबाद-कोटा मीटर गेज को ब्रॉड गेज में परिवर्तन करने के लिए मंजूरी दी गई है लेकिन फंड का आवंटन नहीं किया गया है। क्या गुजरात में भाजपा की सरकार है, इसीलिए आप अन्याय कर रहे हैं। मैं 20 साल से मांग कर रहा हूं। आपने मुझे तो निराश

किया है, मेरे क्षेत्र के लोगों को भी निराश किया है। जब और जगह फंड दिया गया, बिहार में सब ट्रेन्स चली जाएंगी, साउथ इंडिया में सारी ट्रेन्स चली जाएंगी तो गुजरात कहां जाएगा? गुजरात में आपने नहीं दी। भावनगर से मुम्बई एवं दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन चलाई जाए। मणिनगर-साबरमती इत्यादि रेलवे स्टेशन को बड़ा बनाया जाए।

सभापति महोदय : रति लाल वर्मा जी, अब आप बैठ जाइए। आप स्थान ग्रहण करिए। अब आपकी बात हो गई। आपकी पार्टी का समय समाप्त हो गया।

...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : Mr. Ratilal Kalidas Varma, please take your seat. Nothing will go on record now except the speech of Shri S.K. Kharventhan.

*(Interruptions) â€¦ **

MR. CHAIRMAN: Mr. Kharventhan, you please start your speech.

SHRI S.K. KHARVENTHAN : Sir, I am ready to start, but the hon. Member is not concluding his speech.

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record except your speech. So, please start speaking.

*(Interruptions) â€¦**

---

* Not recorded.

CUT MOTIONS

SHRI S.K. KHARVENTHAN : Mr. Chairman, Sir, I rise to support the Demands for Grants (Railways) for the year 2008-09. *â€¦(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record except the speech of Shri Kharventhan.

*(Interruptions) â€¦ **

SHRI S.K. KHARVENTHAN : Sir, I rise to support the Demands for Grants (Railways) for the year 2008-09.

First of all, I would like to congratulate and thank the hon. Minister, Shri Lalu Prasad, Shri R. Velu, and Shri Rathwa and his team of officers and staff for improving the railway system in this country and achieving a profit of Rs.25,000 crore this year.

Sir, Indian Railways is having the longest route in this world. It is having 63,327 kms. of railway lines, 45,350 coaches and 2,08,528 wagons running and about 17 million passengers per day are using the Indian Railways. Nearly two million tonnes of freight every day is moving through railway lines.

In the year 1835, the Indian Railway came into existence and now our Railway system has improved well. As far as accidents are concerned, I want to bring certain facts. About six lakh staff is directly working in the Indian Railways. In this country, there are about 18,200 unmanned and 16,609 manned-level crossings. If you see the list of accidents, every year about 141 persons die and about 150 persons are injured in the accidents that occur in the unmanned level crossings. If we compare the accidents and

deaths occurred in the past five to seven years, after the assumption of the UPA Government and after Laluji taking over the charge of the Railways, the number of accidents and deaths has reduced.

I would like to give certain facts in this regard. In the year 2001-02, the number of persons killed was 144; in the year 2002-03, it was 157; in the year 2003-04, it was 135 and after the assumption of Laluji as the Railway Minister,

* Not recorded.

that is, in 2004-05, it was reduced to 50. In 2006-07, the number was 38 and in 2007-08, it was nine. It is a great achievement by the Railway Ministry, even though I want to mention that to avoid the accidents, particularly, at the unmanned level crossings, ROBs/RUBs should be constructed or all the unmanned level crossings should be converted into manned-level crossings. For this, the Railways has to spend a sum of Rs.2,450 crore with a sum of Rs.700 crore for maintenance every year. Since, we are having an income of Rs.25,000 crore by the Railways, the Railways has to take steps to construct ROBs/RUBs in all unmanned level crossings.

Further more, I want to mention with respect to accidents occurring at the railway crossings. At the manned-level crossings, if a person dies or sustains injuries due to the negligence of the Railway staff, the compensation given is Rs.6,000 only for death and Rs. 2,500 only for grievous injuries and for simple injury it is nothing. This has to be modified and increased.

I would now like to draw the attention of the hon. Minister to certain schemes in my State, particularly, to the freight corridor between Chennai and Bangalore. Now, Bangalore is the hub of IT sector and having thousands of other industries. Further more, on the way there is Sriperumbudur, the hub of car and cell phone industries. It is also called as Detroit of India.

Sir, Chennai is one of the oldest cities having all kinds of industries. There is a need to build a freight corridor between Chennai and Bangalore. This is a long pending request of the people of South of India, especially, the people of Karnataka and Tamil Nadu. Hence, I would like to request the hon. Railway Minister to take steps for early implementation of the freight corridor between Chennai and Bangalore.

Sir, as you all know that Sabrimala is one of the famous temples in South India. Everyday, during season, lakhs and lakhs of devotees are coming from all over the country as well as from all over the world. After having darshan at Palani hills, the devotees visit Sabrimala via Dindigul. I would like to request the hon. Railway Minister to connect Sabrimala and Dindigul by a railway line. It is a long pending demand of the people there. Further more, already a survey was sanctioned for Dindigul-Kumuli rail line. The survey has been conducted and its report has also been submitted, but that scheme has not been announced this time.

The Dindigul-Kumuli line is connecting Theni, Cumbum, Bodi, and all such important cities. Sir, Dindigul is a hub of textile industry having more than 136 spinning mills. So, this work has to be taken on a war-footing.

I would also like to thank the hon. Railway Minister for sanctioning the Erode-Palani new rail line project. The report was submitted and accepted. The scheme was also announced in this year's budget. I would request the hon. Railway Minister to allocate the funds for the early implementation of this project. Further more, I would like to thank the hon. Railway Minister, Laluji, for sanctioning a new railway line for Sriperambadur connecting Avadi, where our great leader Rajiv Gandhi was killed.[r84]

Today, it became a big industrial centre. Fund has to be allocated for this. The Scheme has to be sanctioned and it has to be implemented.

Further I would like to mention that Chamrajnagar is one of the important places in Karnataka and it is nearer to Mysore. During the regime of Shri Deve Gowda ji, in 1996-97 the project from Bangalore to Satyamangalam was sanctioned. The survey was over. The final location survey has been undertaken by our Government but the scheme is not sanctioned and it is pending. This project is connecting two States – Tamil Nadu and Karnataka. So, it is the request of the western people of Tamil Nadu to implement the scheme. Hence, I would request the hon. Railway Minister to complete this project and take steps to connect Karnataka and Tamil Nadu by sanctioning this project.

There is a proposal in the Railways to withdraw the non-AC coaches in all trains. Asthmatic patients and those who have lungs problem cannot travel in First AC or Second AC or Third AC. So, the non-AC first class should not be withdrawn. It has to be continued in all the trains. It will help the patients to go to hospital by train.

I would like to make a request to the hon. Railway Minister that in all the coaches in the trains, a display board to know about the next station and at what time the train will reach the next station should be displayed. This must be implemented in all the trains.

Now, I come to cleanliness. I am travelling in trains from Erode to Chennai or from Dindigul to Chennai. Even in the first class AC coach, toilets are not cleaned properly, and in the second class coaches, toilets are very worse. So, cleanliness has to be given importance.

Sir, Bangalore is an important city. I have already mentioned about that. Coimbatore is another textile centre. Between Bangalore and Coimbatore, there are 11 express trains but none of these trains is having first class AC coach. I am repeatedly requesting the Railway Minister to attach first class AC coach in a few trains, and at least Island Express should have a first class AC coach.

Sir, in my constituency, Ottanchatram is an important station. It is a centre where agricultural products are marketed, and all vegetables are taken from there to all places in the country and also they are marketed at the international level. There is a railway station. It is one of the oldest stations but there is no computer reservation facility. I have already written letters to the Railway Ministers also in this regard. So, computer reservation system has to be provided at this railway station.

Sir, Palani is a famous hill temple, it is the temple of Lord Karthik. Lakhs and lakhs of devotees from all over the country are coming to Palani. It is having one of the oldest railway stations. There is a large area of vacant land attached to this railway station. So, that land can be used for constructing residential quarters for the staff, and also guest houses can be constructed so as to accommodate all those devotees who are visiting the temple. Now, after having darshan at this temple, the devotees who are coming from Kerala, Karantaka and other places are sleeping in the platform. So, Tourist Home of the Railways can be constructed at this place. This is an important request.

Further, I would like to mention that in most of the railway stations, the trains are not stopping near the platform. Due to that, old people and minor children are not able to get down from the trains or get into the trains. So, the trains have to be stopped at the platform only.

With these words, I am supporting the Demands for Grants.

SHRI SUDHANGSHU SEAL (CALCUTTA-NORTH WEST): Mr. Chairman, Sir, while supporting the Demands for Grants for Railways 2008-09, I would like to congratulate our Railway Minister Shri Lalu Prasad Yadav ji, his two colleagues, the Ministers of State in the Ministry of Railways and the entire staff of the Indian Railways for their wonderful performance during the last four years.

19.49 hrs (Shrimati Sumitra Mahajan *in the Chair*)

Madam Chairman, during the last four Railway Budgets, there was no hike in the passenger fares and also there was no hike in freight charges.
What we feel is that these have all happened only because of the effective capacity utitilization under the leadership of Shri Lalu Prasad Yadav ji. [H85]

But there is one thing, which I must say to the hon. Railway Minister, that is, since 1853 to 1947, around 54,000 kilometres of rail tracks were laid by the British Government whereas 60 years after Independence, only 7,000 to 8,000 kilometres new lines have been laid while the demand is much more.

Moreover, the hon. Minister, you must be knowing that steel prices have increased by around 40 per cent. How would you tackle this problem? Where is the provision in your Budget to combat this problem? I would request you, Mr. Minister, to keep some additional provision. Otherwise, whatever projects you are having in your hand, I think, it would not be possible for you to execute them.

Similarly, I would request you, Mr. Minister, to consider certain points, since you are seriously thinking for the working class in the Railways. Our khadi products, the products manufactured by the Self-Help Groups throughout the country should be introduced seriously in the Railways. Since the Railways is a very good consumer, it would definitely help the Self-Help Groups and the khadi groups to sell their products effectively. They would also get the required price.

Mr. Minister, you must be knowing that there are thousands and thousands of hawkers and they do not have the licences from the Railway authorities. They are all unauthorised at this moment. The Standing Committee on Railways has also recommended and we all feel that the necessary licences should be provided to them. They are all very poor people; they are serving the passengers and thereby serving the nation. So, their interests should be protected. You must have heard the speech of the Agriculture Minister, Shri Sharad Pawar while he was replying to the debate on the price rise as to what is the reality. आप फल, फूल एवं सब्जी बोलिए we do not have the cold chain आपकी जो ट्रेन है, जिस गाड़ी से आप माल भेजते हैं, if you could provide some refrigeration facilities, it would help us in transporting all these vegetables from one destination to another destination. As you know, everyday, there is a wastage of 30 per cent vegetables in India. So, if we can make effective distribution system, it would reach the poor people; and the problem of price rise would be reduced to a maximum extent.

Now, I would make some points and suggestions regarding my State of West Bengal. We are already having three terminals. But what about the South-Eastern Railways? It is my specific suggestion that we should have one terminal somewhere in Kolkata, preferably in Majherhaat. Similarly, the metro should be extended up to Dakshineswar Temple. We have also discussed with you in this regard. It should be extended up to Netaji Subhash Chandra Bose International Airport. You had told us that the construction had been made earlier by the Railways, but it is not effective. Yes, we do agree with you. But there should be some arrangements so that the passengers who are travelling by air should get the metro facilities.

There are a few demands, which we have already placed. The Standing Committee on Railways has also recommended several times but they have not yet been looked into. My specific request is that the Sealdah-NGP-Shatabdi train should be introduced on daily basis.[r86]

Then, Sealdah-Hazduani Express may be introduced daily. Then, Tarakeswar-Nelikul and Jirat-Katwa lines should be looked into. Then, freight corridor up to Dankuni Port is also to be looked into. Then, you must be knowing that there is one proposal lying with you for construction of a broad-gauge line from Bargachhia to Champdani. But the acquisition procedure could not be done because of shortage of fund. So, that fund should be arranged.

Now, another problem I would like to focus on is that we are getting steel from Orissa. It is very difficult for the small manufacturers to get the rake. To get the rake, all the higher officials know that they have to spend a lot of money and that way they are losing very much. So, my request is to introduce the Tatkal system so that they get the benefit of that.

Now, on the procurement side in the workshop, whatever items the Railways is procuring, it is known to everybody. There is a system of syndicate. There are three or four groups of suppliers. They have the syndicate. They decide at what price they will supply to the Railways. That way, the Railways is losing money. Siphoning of money can be checked. I believe the Railway Minister will look into it.

Now, in Lilooah there is a very big pond, called Ranijheel. Now, it has become a spot of unloading garbage. I would request in the interest of the locality to look into this area. Our Pollution Control Board has requested several times but it has not been looked into. Similarly, in Lilooah, one RoB has been made. But after constructing the RoB, the side gate has been closed. As a result of that, if the local people, the local aged people and school going children want to go to school and other places, they have to walk for more than 500 metres. If you simply open the gate, that will ease the situation.

MADAM CHAIRMAN : Now, I think you have finished.

SHRI SUDHANGSHU SEAL : Laluji, I will conclude only with these words that there are a number of projects proposed by the Standing Committee for West Bengal. It is in the paper. Since time is not there, I am not speaking about them. Our Chairman, Shri Basu Deb Acharia has already placed 11 demands, and they are in the Standing Committee's Report. I would request you to please consider all these proposals and execute the same in the interest of the people.

–

*SHRI MOHAN JENA (JAJPUR): Thank you chairperson Madam, for allowing me to participate in this discussion. I would primarily draw your attention to Orissa. Our State Government as well as the House Committee had placed certain demands before the Ministry of Railways. We had demanded for the completion of work of six railway lines which are under construction, conversion of two narrow gauge railway lines into broad-gauge lines, survey work to be initiated for seven new railway lines, doubling of two railway lines and electrification of four railway lines, extension of five railways and introduction of seventeen new

trains for Orissa.

Madam, I would like to say that our State has received four new trains but the State of Hon. Railway Minister has got seventeen new trains. We have been given 960 crores in the present Budget. But I would like to mention here that we are doubtful about the efficiency of the Railway Department Officials. We apprehend whether 960 crores would really be spent or not? In the last financial year 2007-08 Orissa's East-Coast Railway was given Rs. 665 cores, from which only Rs.290 crores could be spent and the rest Rs.375 crores had to be surrendered. Keeping in mind this track record we doubt whether Rs.960 crores could be spent or not.

Sir, I would like to draw the attention of the Hon. Railway Minister regarding some important railway lines of Orissa. They are :-

1) Lanjigarh-Junagarh line.
2) Khurda-Bolangir line.
3) Angul-Duburi-Sukinda line.
4) Talcher-Bimlagarh line.
5) Daitari-Banspani line.

Haridaspur-Paradeep railway line etc.

*English translation of the speech originally delivered in Oriya.

Sir, these railway projects are very vital to the growth of Orissa. Our demand for allocation of extra funds have not been fulfilled. We had demanded Rs.100 crores for the Khurda-Bolangir Railway line stretching over 289 kilometers. But now the Railway Board has sent a letter to stop work on this project. I would like to draw the attention of the Hon. Railway Minister that the decision to stop work is very unfortunate. Although the chairman of Railway Board has refuted this news as baseless, newspapers have published photocopy of the said letter.

Another important point I would like to raise here is about recruitment in Railways. Sir Railways the biggest generator of employment. The East-Coast Railways had advertised for 5200 post of group 'D' services. Many Oriya youths had hoped to get absorved there. The written and physical tests have been completed. Surprisingly about 70% of the selected candidates belongs to Bihar and the rest 30% comprises of candidates from Orissa, West Bengal and Assam. It saddens me to mention here that Oriya people do not get priority in Orissa.

We have a federal structure where Article 1 of the constitution accords equal status to each federating unit. All the states should be treated at par and with dignity. But Orissa is always at the receiving end. For the last 50/60 years Orissa has been treated shabbily and there in a step-motherly attitude which is very unhealthy. After repeated demands we have been given a Garib Rath, which ironically starts from Ranchi to Bhubaneswar and the timing is so inconvenient that it will not benefit the people of Orissa.

Sir, I would like draw you attention to another important matter. In India we have three important places for "Pitrushraddha" Mastak Gaya in Bihar, Pada Gaya in Rajmahindri in Andhra Pradesh and Navi Gaya in Jajpur, Orissa. While Gaya and Rajmahindri are well-connected by railways, Navigaya at Biraja Kshetra Jajpur of Orissa remains to be connected by National Highway and Railway line. Further Jajpur was the most ancient capital city of the then Kalinga and Navi Gaya pilgrim centre dates back to pre-Mahabharta era. This place is more ancient than both the Jagannatha temple, Puri as well as Konark temple. Numerous Puranas and Mahabharata has mentioned this place. Prominent people like veteran freedom fighter and former Prime Minister of Orissa late Shri Biswanatha Das former freedom fighter and Minister late H.N. Bahuguna and parliamentarian and socialist leader late Shri Surendra Nath Dwivedy had repeatedly demanded for the development of this religious place. Therefore immediate steps may be taken then the development of the railway link to Navi Gaya along with Dwaadashamedha Ghata on the banks of river Baitarani of Jajpur town of Orissa.

Sir, the Jajpur-Keonjhar Road houses the steel city Kalinga Nagar which in a fast growing industrial area. But the Jajpur Road station is the most neglected one. Neither the Rajdhani Express nor any other Express train stops here. The station has no basic amenities like provision for drinking water, toilet, rest room etc. This station is in my constituency and I have repeatedly tried to draw the attention of the Railway Ministry but in vain. Another important station is 'Dhanmandal' which is the gateway to Buddhist sites like Lalitgiri, Ratnagriri etc. If this station is properly upgraded, then it will attract both national and international

tourists. The apathy of Railway Department to Orissa is unbearable. If the step-motherly treatment does not stop, the people of Orissa will come to the streets.

Sir, Lalu Prasad jee has done some good work also but he has not been benevolent to Orissa. We can draw parallels from history. Once the king of Magadh (Bihar) had attacked Kalinga (Orissa) and now the Railway Department in attacking Orissa with its apathetic attitude. The East-coast Railway Officers have a negative mindset towards the people of Orissa. They are depriving the youth of Orissa of employment in the Railways. They are not spending the sanctioned allocation in Orissa-based projects. This is very unfortunate. Hence through you Madam I demand justice for Orissa.

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराष्ट्र): सभापति महोदया, मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूं कि आपने मुझे कुछ मुद्दों के ऊपर बोलने का मौका दिया। रेलवे बजट के इस सप्लीमेंट्री बजट को सपोर्ट करने के लिए मैं यहां खड़ा हुआ हूं। मैं रेल मंत्री लालू जी का बहुत-बहुत अभिनंदन और आभार व्यक्त करूंगा कि आपने इस रेलवे बजट में मेरी दो डिमांड पूरी की हैं। आपने रोटेगांव और पुन्तांबा का सर्वे करने का आदेश दिया, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। रोटेगांव और पुन्तांबा का काम अगर हो जाता है, पुन्तांबा-शिरडी के रास्ते का काम जो अभी चालू है, इससे डायरेक्ट लोग शिरडी से तिरूपति जा सकेंगे और तिरूपति से शिरडी तक आ सकेंगे, इसलिए यह रास्ता हमें चाहिए। आपने इसे मान्य किया, लेकिन मैं कहना चाहूंगा कि अगर इसका काम फास्ट होगा, तो रेलवे को भी इससे प्राफिट होगा।

दूसरा, हमारे यहां के स्वतंत्रता सेनानी जो मराठवाड़ा क्षेत्र के हैं, उन्होंने इसकी डिमांड की थी शोलापुर से जलगांव का जो रास्ता है, उसको भी आपने मान्य किया, जैसे शोलापुर, तुलजापुर, उस्मानाबाद, बीड, गेवराई, पैठन, संभाजीनगर, औरंगाबाद, सिल्हौर, अजंता, जलगांव। पूरे मराठवाड़ा का सर्वे करने का आदेश आपने दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। यह काम फास्ट होना चाहिए, इसकी मैं आपसे डिमांड करता हूं।

तीसरा, पिछले बजट में आपने हमारी मांग पूरी की थी कि एक नयी रेल मुंबई से संभाजीनगर, औरंगाबाद और औरंगाबाद से मुंबई तक जनशताब्दी ट्रेन शुरू करने की बात की थी। वह शुरू हो गयी, लेकिन उसका जो समय है, वह ऐसा है, जिसका कोई मतलब नहीं है। औरंगाबाद से वह चार बजकर पचास मिनट पर निकलेगी और दस बजकर पचास मिनट पर छत्रपति शिवाजी टर्मिनल मुंबई पर पहुंचेगी, तो वहां सारे मंत्रालय के और अन्य आफिसेज के काम हो सकेंगे और वह ट्रेन फिर शाम को वापस चलेगी छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से शाम पांच बजकर पचास मिनट पर और रात में ग्यारह बजकर पचास मिनट पर संभाजीनगर, औरंगाबाद में आएगी। इस तरह से ट्रेन का बहुत अच्छा सा उपयोग होगा और सारे मराठवाड़ा के और मेरे क्षेत्र के लोगों को इसका बेनेफिट होगा, इसके साथ ही इससे टूरिस्ट को भी बेनिफिट होगा। मंत्रालय, मुंबई में जो काम होता है, उसके लिए भी बहुत से लोग वहां से आना-जाना करेंगे। मैंने रेलवे अधिकारियों से भी चर्चा की कि जून-जुलाई में जब टाइम टेबल पर विचार करेंगे, तब उसमें इसे देखें। मेरी आपसे इसके लिए विनती है।

आपने मुझसे कहा था, मैं और मेरे बीड के साथी सांसद, जयसिंगराव गायकवाड़ पाटील जी, हम दोनों ने नगर बीड, परली के संबंध में डिमांड की थी। आपने कहा था कि माननीय मुख्यमंत्री जी से लेटर लाइए। माननीय गायकवाड़ जी ने और मुख्यमंत्री जी ने आपको लेटर भी दिया कि फिफ्टी-फिफ्टी शेयर पर हम लोग इसे करेंगे। आप इसे मान्यता दीजिए, ताकि बहुत जल्दी यह रास्ता शुरू हो जाए। कई दिनों से नगर बीड, परली का मार्ग का काम रूका पड़ा हुआ है, इससे वह पूरा हो जाएगा।

मेरी एक नयी डिमांड इसलिए है कि हमारी सारी गाड़ियां अभी नांदेड़ के आगे निजामाबाद और हैदराबाद तक जाती है। आप गरीबों के बहुत हमदर्द हैं। गरीबों के लिए नांदेड़ से मुंबई और मुंबई से नांदेड़ एक पैसेंजर ट्रेन चालू करिए। सारे गरीब लोग आपको बहुत दुआएं देंगे।

मेरी लास्ट डिमांड यह है कि जो मराठी स्पीकिंग भाग है, वह साउथ सेंट्रल रेलवे में आता है, हमारी कई वर्षों से इसके लिए डिमांड है कि नांदेड़ डिवीजन को मुंबई के सेंट्रल रेलवे के कक्ष से जोड़ दीजिए। इसके लिए हमने कई बार प्रार्थना की। आंध्र प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल का ठहराव भी उसमें दिया गया है, महाराष्ट्र मंत्रिमंडल के ठहराव की कापी आपको दे दी है। दोनों सरकारें मानती हैं कि मुठखेड़ और धर्माबाद को लेकर जो नांदेड़ डिवीजन है, वह पूरा का पूरा मराठी स्पीकिंग होने के कारण से सेंट्रल रेलवे में जोड़ा जाए, ताकि किसी भी तरह का डिस्प्यूट न हो। वहां आंध्र प्रदेश के लोग आते हैं। गरीब लोग वहां टिकट के लिए आते हैं, उनको मराठी में अपनी बात कहते हैं, लेकिन जितने वहां आंध्र प्रदेश के कर्मचारी और अधिकारी होते हैं, उनको कुछ समझ में नहीं आता है। हमारे मराठवाड़ा की अस्मिता है। मराठवाड़ा ने इसके लिए बहुत बड़ा एजीटेशन किया था। इसके लिए मैं भी आपसे विनती करूंगा। कैबिनेट तक इसका प्रस्ताव जाएगा और दोनों स्टेट के कैबिनेट ने आपके पास प्रस्ताव भेजा है। आप किसी भी हालत में हमारे मराठवाड़ा की डिमांड मंजूर करें, इसके लिए मैं आपसे बहुत-बहुत विनती करूंगा कि नांदेड़ डिवीजन, धर्माबाद, मुठखेड़ को जोड़कर सेंट्रल रेलवे से जोड़ा जाए, यह हमारी डिमांड है।

इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं।

श्री जयसिंहराव गायकवाड़ पाटील (बीड़) : सभापति महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। अहमदनगर-बीड़-परलीवैद्यनाथ नई रेल लाइन मेरे क्षेत्र से जा रही है। इसे फरवरी, 1997 में मंजूरी मिली है। इस 250 किलोमीटर और 354 करोड़ रुपये की लागत की रेल लाइन का दाम दुगुना हो गया है यानी करीब-करीब 800 करोड़ रुपये हो गया है। इस लाइन के बारे में बहुत बहस, निवेदन, मोर्चे, आन्दोलन, सत्याग्रह आदि सब कुछ हो चुका है। मैं इस रेल लाइन के लिए दस सालों से मांग कर रहा हूं। माननीय रेल मंत्री, श्री लालू प्रसाद जी ने मंशा जाहिर की थी कि राज्य सरकार इसमें कुछ सहयोग करे। यदि राज्य सरकार सहयोग देगी तो हम जरूर पहल करेंगे। एक अच्छी बात हुई कि महाराष्ट्र के मुख्य मंत्री ने एक अप्रैल को माननीय लालू प्रसाद जी को विस्तार से एक पत्र लिखा है जिसमें कहा है कि हम इसका आधा खर्च उठाने के लिए तैयार हैं। मैंने उसकी प्रति अभी-अभी माननीय रेल मंत्री जी को दी है। मेरी रेल मंत्री जी से प्रार्थना है कि अब वे इस पत्र का आधार लेकर महाराष्ट्र के सहयोग से इस नई रेल लाइन के कार्य को गति दें और पूरा करें।

श्री संतोष गंगवार : मंत्री जी, आप बहुत सहयोग कर रहे हैं। मैं कहना चाहता हूं कि यहां सांसद जो बोलते हैं और अपने क्षेत्र की मांगें रखते हैं, उनको मंत्रालय से कोई जवाब

नहीं आता। मेरा आपसे आग्रह है कि जो सदस्य अपने क्षेत्र की बात यहां उठाते हैं, अगर आपके यहां से उनके पास पत्र आ जाए तो हमें भी क्षेत्र में बताने के लिए रहेगा कि हमने यह बात उठाई है। मेरा निवेदन है कि आप निर्देश दीजिए कि उसमें जो भी फॉलो-अप हो, उसकी जानकारी हम सबको मिले।

श्री लालू प्रसाद : ठीक है।

MADAM CHAIRMAN: The House stands adjourned to meet tomorrow the 17th April 2008 at 11 am.

20.12 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock

on Thursday, April 17, 2008 / Chaitra 28, 1930 (Saka). [r87]

[N88]

Please leave 4 pages for Q. No. 341 sand Answer

[R2]Cd by p1

Cd by q1

[b3]

[s4]yadavcd

[R5](Fd. by r100

Fd by t1 [r6]

Contd by u1.e [r7]

[m8]ctd. by w1

[k9]contd by x1

Contd by Y [SS10]

[r11]Fld.. by z1

Fd by a2.e

Cd by B2 [r13]

(cd. by e2) [b14]

Ctd by f2

[r15]

Smt. sumitra Mahajan cd.

[s16]

Contd. By g2 [MSOffice17]

Cd by h2

[b18]

[s19]j2cd

[r20](Cd. Shri Sachin Pilot)olot)

[r21](Cd. by k2)

[R22](Cd. by l2)

[r23]acharia ctd

[r24]ctd by m2

cd. by n2 [H25]

Contd by o2.e [r26]

[m27]ctd. by p2

Cd by S2 [r28]

[r29]

[R30]cd.

(cd. by w2) [b31]

Ctd by x2

[r32]

cd. by y2

[s33]

cd. by a3.e [a34]

[R35]Cd by b3

cd by c3 [R36]

[R37](Cd. by d3)

[r38]swain ctd

[r39]ctd by e3

cd. by f3 [H40]

[m41]ctd. by h3

[R42]cd.

(cd. by l3) [b43]

Cd by m3 [KMR44]

[r45]Cd by n3

cd by 'o3' [R46]

Contd. By p3.e [R47]

cd. by q3 [MSOffice48]

Contd. By R3 [MSOffice49]

[R50]Cd by t3

[MSOffice51]Cotd by v3

[R52](Cd. by w3)

[r53]PC ctd

[r54]ctd by x3

cd. by y [H55]3

Fld by z3.e

(cd. by b4) [b57]

Fld by C4 [SS58]

cd.. by d4 [r59]

[r60]Cd by e4.e

[KMR61]Fd by f4

Contd. By j4.e [R62]

cd. by k4 [MSOffice63]

[MSOffice64] Cd by l4

cd. by m4.h [R65]

cd. by n4 [R66]

[R67]cd.

[r68]sharad ctd

[r69]fld by q4

(cd. by r4) [b70]

[r71]Fld by s4.e

[s72]cd. by t4

[b73]Fd by u4

Contd by W4 [SS74]

[r75]

cd.. by x4 [r76]

[R77]fd by y4

Cd by z4 [KMR78]

Fd by a5 [r79]

Cd by b5 [MSOffice80]

Contd. By E5 [MSOffice81]

[R82]cd.

(cd. by h5) [b83]

[r84]ctd by k5

cd. by l5 [HB5]

Contd by m5.e [r86]

[r87] Friday, March 10, 2000/Phalguna 20, 1921 (Saka).

[N88]